फलोदी माता मंदिर में वसंत पंचमी पर आयोजित मेडतवाल समाज के कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

जय फलोदी माता जी की।

जय हो जगत जननी माता जी की।

1. आप सभी को वसंत पंचमी के पावन अवसर पर बहुत बहुत शुभकामनाएं। आज का दिन हमारी आराध्य फलोदी माता का प्राकट्य दिवस भी है। मैं माता के चरणों में प्रणाम करता हूँ। समाज के सभी जनों को और यहाँ इस कार्यक्रम में पधारे लोगों को नमस्कार करता हूँ।

2. रामगंजमंडी में फलोदी माता का यह स्थल मेडतवाल समाज का देश में एकमात्र मंदिर है। पावन खैराबाद धाम में आज मेला उमड़ रहा है। ऐसा लगता है, जैसे आस्था का महाकुंभ भर रहा है।

3. यह माता का आशीर्वाद और आप सभी का सहयोग, आपका स्नेह ही है, जो मुझे इस क्षेत्र के प्रतिनिधित्व का अवसर मिलता रहा है। मैं जब भी रामगंजमंडी आता हूँ, माता के दर्शन अवश्य करता हूँ। फलोदी माता का आशीर्वाद सदा से मुझ पर बना हुआ है। यह मेरा परम सौभाग्य है। पावन खैराबाद धाम साक्षात चमत्कार और शक्ति का स्थल है। यहाँ फलोदी माता के दिव्य स्वरूप की सभी समाजों के बीच मान्यता है।

4. वरद स्वरूप में फलोदी माता हमें वरदान देने की मुद्रा में यहाँ विराजी हुई है। और जो कोई व्यक्ति सच्चे मन से माता का मनन, माता की वंदना करता है, माँ भगवती निश्चित ही उनकी मनोकामना को पूरा करती है। फलोदी माता फलदायिनी माता है। इस क्षेत्र के सभी लोगों और सम्पूर्ण मेडतवाल समाज पर माता की हमेशा से ही कृपा रही है।

5. इस सिद्धपीठ में मां फलौदी के दर्शन के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। नवरात्र के दिनों में तो यहां भक्तों का सैलाब उमड़ता है। मां फलौदी मेड़तवाल समाज की कुलदेवी है, लेकिन अन्य समाज के लोग भी माता के दर्शन को यहां आते हैं।

6. मेडतवाल वैश्य समाज एक परिश्रमी और भक्ति में रमा हुआ समाज है। समाज के लोगों ने हर क्षेत्र में अपनी ख्याति, अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। कोटा के साथ ही राजस्थान, मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में समाज के लोग अच्छी संख्या में रहते हैं। और जहां भी रहते हैं, वहाँ की तरक्की, खुशहाली में अपनी भूमिका निभाते हैं।

7. समाज के लोगों की सामूहिकता, आपसी प्रेम और सहयोग हमें इन दिनों में यहाँ देखने को मिला है। दो दिन तक यहाँ आयोजित हुए परिचय सम्मेलन में हजारों की संख्या में समाज बंधु, समाज के योग्य युवक-युवतियाँ यहाँ पधारे और समाज ने एक मिसाल कायम की।

8. मुझे बताया गया है कि करीब 1150 योग्य युवक-युवतियों के पंजीकरण यहाँ प्राप्त हुए। जिनमें 600 से ज्यादा युवाओं ने मंच पर अपना परिचय देकर समाज के सामने अपने बारे में बताया। इस सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मैं समाज के सभी लोगों को बहुत बहुत बधाई देता हूँ।

9. परिचय सम्मेलन आज के आधुनिक समय के लिए एक आवश्यकता है। आज के समय में अनेक ऐसे लोग हैं, जो अपने काम-काज और प्रोफेशनल जीवन के चलते समाज से जुड़ाव नहीं रख पाते हैं।

10. व्यक्ति अपने घर-परिवार में और अपने आप में ही जीवन जीते हैं। लेकिन समाज की जरूरत हमें जीवन में हर महत्वपूर्ण कदम पर पड़ती है। इसलिए समाज से जुड़ा रहना जरूरी है।

11. समाज से जुड़ा रहना यानि अपनी जड़ों से जुड़े रहना। समाज से जुड़े रहना यानि संगठन में रहाना। समाज से जुड़े रहने का अर्थ है कि इस स्थिति में सम्पूर्ण समाज हमारे परिवार की तरह काम करता है, और किसी भी तरह की दुःख-तकलीफ में समाज के लोग सहारा बनकर आगे खड़े होते हैं।

12. कई अवसरों पर मैं देखता हूँ, जब समाज में किन्हीं निर्धन कन्याओं का विवाह नहीं होता है, तब समाज के लोग आपसी सहयोग से उन कन्याओं का विवाह सम्पन्न करवाते हैं।

13. समाज में जब कोई काबिल युवा अच्छी तरह पढ़-लिख लेता है, तो समाज के लोग उसे आगे बढ़ाते हैं। समाज में रहने का अर्थ है सामूहिकता एवं संस्कारों के साथ अपने आपको आगे बढ़ाना।

14. सामूहिक परिचय सम्मेलन और विवाह सम्मेलनों से ना सिर्फ हमारे धन की बचत होती है, बल्कि युवाओं में समाज को लेकर जागरूकता भी बढ़ती है। युवाओं में एक सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होता है। इसलिए मैं सदा इस तरह के आयोजनों का समर्थन करता हूँ।

15. हम अपने बच्चों की पढ़ाई, उनके करियर और भावी जीवन पर अपना ध्यान लगाएं। अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ संस्कार दें, ताकि वे देश के जिम्मेदार नागरिक बनकर ना सिर्फ अपना नाम रौशन करें; बल्कि इस देश, समाज और अपने क्षेत्र की ख्याति का भी प्रचार-प्रसार करें।

16. मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेडतवाल समाज इस जिम्मेदारी को समझते हुए अपनी भावी पीढ़ी को सुशिक्षित और सुसंस्कारित बनाएगा। इसी संदेश के साथ आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

17. फलौदी माता का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे। फलदायिनी माता हमें खुशहाली, समृद्धि और आरोग्य का आशीर्वाद दें। वसंत पंचमी का यह शुभ दिन हम सभी के जीवन में आनंद लेकर आए।

18. फलौदी माता का वरद हस्त यानि वरदान देने वाला हाथ सदा हमारे सर पर रहेगा, हमारा मार्गदर्शन करेगा, हमें सही राह दिखाएगा।

जय फलौदी माता जी की।